Apart from the above nuclear power plants in commercial operation, the first unit of Narora Atomic Power Station in Uttar Pradesh is presently in the stage of test power operation upto 50% full reactor power and expected to commence commercial operation during the current year.

(c) and (d) The sanctioned capital costs for setting up of the nuclear power stations in commercial operation and unit energy prices of electricity generated at the stations busbars are as follows:

Plant	Sanctioned cost* (Rs. in crores)	Unit energy price* in paise/Kwh as on 1-3-1990.
TAPS—1 & 2	92.99	46.20
RAPS-1	73.27 }	46.59
RAPS-2	102.54 }	
MAPS-1	118.83 }	52.24
MAPS-2	127.04 }	

*The unit energy prices include a return of 12% on capital employed at a normative capacity factor of 62.8%. During the entire seventh five year plan period, excluding RAPS-1 whose power level has been restricted to 50% of full reactor power, the other nuclear power stations TAPS—1 & 2, RAPS-2 and MAPS—1 & 2 together achieved an overall capacity factor of 57% which is about 6% less than the normative capacity factor of 62.8%.

Cost of generation from these stations are generally comparable to that of thermal power stations while cost of generation from hydel power stations is mostly lower compared to nuclear and thermal power stations. During 1987-88 the pooled cost of energy generation of thermal & hydel stations was 56.63 and 11.71 paise/Kwh respectively.

Soviet Offer of Joint Production of MIG-29

*107. SHRI SHIV PRATAP MISHRA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether the Soviet Union offered joint production of MIG-29 to replace MIG-21;

(b) if so, the details of the offer; and

(c) the decision taken thereon?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE (DR. RAJA RAMANNA): (a) and (b) The Soviet authorities had offered the licence production of MIG-29 in India. This, however, was not for replacing MIG-21 aircraft.

(c) The question of licence manufacture of MIG-29 aircraft has been considered and it has been decided not to go in for indigenous production at present.

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद (एन० सी० ई० आर० टी०) द्वारा प्रकाशित पुस्तकें

*108, डा० जिनेन्द्र कुमार जैन :
श्री राम जेठमलानी :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 1990-91 के शैक्षणिक वर्ष के प्रारम्भ हो जाने के बावजूद, दिल्ली के बाजारों में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद द्वारा प्रकाशित पाठ्य-पुस्तकों की उपलब्धि की भारी किल्लत है ;

(ख) यदि हां, तो उक्त संस्था द्वारा आज तक दिल्ली में किस-किस कक्षा के छात्रों को बिक्री के लिये कुल कितनी-कितनी पाठ्य-पुस्तकें उपलब्ध करायी गई हैं ;

(ग) क्या सरकार को इस प्रकार की कोई शिकायतें प्राप्त हुई हैं कि ये पुस्तकें उचित तथा निर्धारित मूल्यों पर नहीं बेची जा रही हैं ; और वे बाजार में नहीं मिल रही हैं ; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में क्या कार्यवाही की गई है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चिमन भाई मेहता) : (क) से (घ) 1986 से रा० शै० अ० प्र० प० पाठ्य-पुस्तकों में भारी संशोधन कर रही है जो राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे और उनके द्वारा विकसित संशोधित पाठ्य-विवरणों पर आधारित है । इससे बड़ी संख्या में नई पाठ्य-पुस्तकों का मुद्रण कार्य बढ़ गया है । परिणामस्वरूप, कुछ रा० शै० अ० प्र० प० की पाठ्य-पुस्तकें, जिनकी शैक्षिक सत्र 1990-91 के लिए आवश्यकता है, अभी रा० शै० अ० प्र० प० द्वारा दिल्ली के स्कूलों को वितरित करने के लिए दी जाती हैं ।

शैक्षिक सत्र, 1990-91 के लिए कक्षाएं I से XII के वास्ते रा० शै० अ० प्र० प० की पुस्तकों के 213 शीर्षकों में से 157 शीर्षक, जिनकी दिल्ली में आवश्यकता थी, पहले ही जारी किये जा चुके हैं । कक्षावार विवरण संलग्न है ।

रा० शै० अ० प्र० प० के अनुसार ऐसी कोई शिकायत कि रा० शै० अ० प्र० प० की पाठ्य-पुस्तकें मुद्रित मूल्यों से अधिक मूल्यों पर बेची जा रही हैं, प्राप्त नहीं हुई है । दिल्ली संघशासित क्षेत्र में 13 थोक विक्रेता एजेन्टों को रा० शै० अ० प्र० प० की पाठ्य-पुस्तकें वितरित करने के लिए नियुक्त किया गया है । रा० शै० अ० प्र०प० भी स्कूलों से आर्डर प्राप्त होने पर उन्हें सीधे ही पाठ्य-पुस्तक सप्लाई कर रहा है । छात्रों, माता-पिताओं तथा यदा-कदा के खरीददारों की सुविधा के लिए रा० शै० अ० प्र० प० परिसर में एक बिक्री केन्द्र संचालित किया जा रहा है । पर्याप्त संख्या में रा० शै० अ० प्र० प० द्वारा प्रकाशित पाठ्य-पुस्तकें थोक विक्रेता एजेन्टों को स्कूलों में वितरित करने के लिए दी जाती हैं

विवरण

शैक्षिक सत्र, 1990-91 के लिए उपलब्ध कराई जाने वाली रा० शै० अ० प्र० प० की पाठ्यपुस्तकें जारी करने से संबंधित स्थिति

कक्षा	उपलब्ध कराई जाने वाले शीर्षकों की कुल संख्या	दिए गए शीर्षकों की संख्या	उन शीर्षकों की संख्या जिनके दिए जाने की संभावना है		
			15 मई, 1990 तक	16 मई और 15 जून, 1990 के बीच	दूसरे सेमेस्टर के लिए अपेक्षित शीर्षकों की संख्या
I . .	5	5	—	—	—
II . .	5	5	—	—	—
III . .	8	7	1	—	—
IV . .	9	9	—	—	—
V . .	11	10	1	—	—
VI . .	16	13	1	2	—
VII . .	15	13	—	2	—
VIII . .	16	14	2	—	—
IX . .	19	15	4	—	—
X . .	19	7	—	10	2
XI . .	48	34	10	2	2
XII . .	42	25	—	11	6
कुल . .	213	157	19	27	10